K. Nand M.A II Sem's (1)

(18)

इन छात्रों का एक प्रतिदर्श (Sample) प्राप्त किया गया है। इस प्रकार के प्रतिदर्श चयन की प्रक्रिया को सोद्देश्य प्रतिचयन (Purposive sampling) कहते है।

इस प्रतिचयन में सरलता एवं सुगमता का गुण पाया जाता है। परन्तु सोद्देश्य प्रतिचयन का एक बड़ा दोष यह है कि यह पूरी जन संख्या का प्रतिनिधित्व सही ढंग से नहीं कर पाता है।

(11) आकस्मिक प्रतिचयन (Incidental sampling)

आकस्मिक प्रतिचयन एक ऐसा असंभावित प्रतिचयन (non-probability sampling) विधि है जिसमें अध्ययन के अनुरूप सम्पूर्ण जन संख्या में से जो भी इकाई आसानी से उपलब्ध हो जाती है, उसका चयन शोधकर्ता द्वारा करके प्रतिदर्श का निर्माण कर लिया जाता है इसके लिए किसी पूर्व निर्धारित योजना की आवश्यकता नहीं होती है।

मनोविज्ञान में शोधकर्ता अपने अध्ययन की सुविधा को ध्यान में रखकर स्कूल या कॉलेज के छात्रों को प्रतिदर्श के रूप में चयन कर लेते हैं। यह आकस्मिक प्रतिचयन की श्रेणी में आता है।

आकस्मिक प्रतिचयन का एक बहुत

से केवल छात्रों या कलाकारों या लाइनों का ही प्रतिदर्श के लिए चयन करते अतः प्रतिदर्शन है।

(v) सुविधानुसार प्रतिचयन (Convenience Sampling)

इसके अन्तर्गत अध्ययनकर्ता उन स्थानों, व्यक्तियों, विभागियों से संपर्क करता है जिससे इसे सम्पर्क में पर्याप्त सुविधा रहती है, जैसे – एक महिला शोधकर्ता अपने अध्ययन में केवल महिलाओं का ही चयन अपनी सुविधा के लिए करती है तो इस प्रकार के प्रतिचयन को सुविधानुसार प्रतिचयन कहा जाता है क्योंकि शोधकर्ता द्वारा प्रतिचयन का आधार अपनी सुविधानुसार तय किया गया है।

(vi) विचारानुसार प्रतिचयन (Judgement Sampling)

इस अंतर्गत प्रतिचयन में इकाईयों का चुनाव विचारपूर्वक किया जाता है। इसमें सम्पूर्ण जनसंख्या से प्रतिदर्श इकाईयों का चयन अध्ययन से संबंधित विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर किया जाता है। ऐसे प्रतिदर्श का चयन विचारपूर्वक किया जाता है। अतः इस प्रकार के प्रतिचयन को विचारानुसार प्रतिचयन कहा जाता है।

(vii) विशेषज्ञानुसार प्रतिचयन (Experts Sampling)

इस असांभाव्य प्रतिचयन में इकाईयों के चयन में विशेषज्ञ के मत को ही महत्व दिया जाता है। ऐसे प्रतिदर्श का जिसमें इकाईयों के चयन में विशेषज्ञ के मत को अधिक महत्व दिया जाता है उसे विशेषज्ञानुसार प्रतिदर्शन या प्रतिचयन कहते हैं।

(VIII) स्वेच्छानुसार (Self selected) प्रतिचयन- इस असंभाव्य प्रतिचयन (Nonprobability sampling) के अन्तर्गत उन इकाईयों का अध्ययन किया जाता है, जो स्वेच्छानुसार विभिन्न समस्याओं पर अपना मत, समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं में व्यक्त करते रहते हैं। यहाँ अध्ययन कर्ता अपने प्रतिचयन के लिए इकाईयों का चयन नहीं करता। चूँकि ऐसे प्रतिदर्श की विभिन्न इकाईयाँ अपनी स्वयं की इच्छा के अनुसार ही समय-समय पर प्रचलित विवादग्रस्त समस्याओं पर अपने विचार व्यक्त करती है, अतः ऐसे प्रतिदर्श को स्वेच्छानुसार प्रतिचयन कहते हैं।

The End